

# एकल माता-पिता वाले परिवार एवं महिला-प्रधान परिवार

## \*प्रस्तावना\*

परिवार समाज की एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है। परंपरागत रूप से परिवार में माता-पिता दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती रही है, लेकिन सामाजिक, आर्थिक, वैवाहिक और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के कारण परिवार के विभिन्न वैकल्पिक स्वरूप विकसित हुए हैं। एकल माता-पिता वाला परिवार और महिला-प्रधान परिवार इन्हीं बदलते पारिवारिक स्वरूपों के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इन परिवारों में बच्चों की देखभाल, पालन-पोषण, आर्थिक व्यवस्था और निर्णय लेने की जिम्मेदारियाँ पारंपरिक परिवार से अलग ढंग से व्यवस्थित होती हैं।

## 1. \*एकल माता-पिता वाले परिवार का अर्थ\*

एकल माता-पिता वाला परिवार वह परिवार है जिसमें बच्चे की देखभाल, पालन-पोषण और प्रमुख पारिवारिक जिम्मेदारियाँ मुख्य रूप से माता या पिता में से किसी एक द्वारा निभाई जाती हैं।

ऐसी स्थिति तलाक, अलगाव, पति या पत्नी की मृत्यु, विवाह न होना, परित्याग या अन्य पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकती है।

## 2. \*एकल माता-पिता वाले परिवार की विशेषताएँ\*

1. एक प्रमुख अभिभावक – परिवार में बच्चों की मुख्य देखभाल एक माता या पिता द्वारा की जाती है।

2. जिम्मेदारियों का केंद्रीकरण – आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक जिम्मेदारियाँ एक व्यक्ति पर अधिक हो सकती हैं।

3. बच्चों की देखभाल की प्रमुख जिम्मेदारी – शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुशासन और सामाजिकरण में एकल अभिभावक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

4. आर्थिक चुनौतियाँ – एक ही आय पर परिवार निर्भर होने की स्थिति में आर्थिक दबाव उत्पन्न हो सकता है।

5. समय की समस्या – रोजगार और बच्चों की देखभाल दोनों को साथ संभालना कठिन हो सकता है।

6. भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता – बच्चों और अभिभावक दोनों को भावनात्मक एवं सामाजिक सहयोग की आवश्यकता हो सकती है।

### 3. महिला-प्रधान परिवार का अर्थ

महिला-प्रधान परिवार (Woman-headed Family) वह परिवार है जिसमें परिवार की मुख्य आर्थिक, प्रशासनिक और निर्णय लेने की जिम्मेदारी किसी महिला के हाथ में होती है।

यह आवश्यक नहीं है कि महिला अकेली हो। वह विवाहित, अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा या अलग रह रही महिला हो सकती है। कुछ परिवारों में पुरुष सदस्य मौजूद होते हुए भी परिवार का वास्तविक आर्थिक या निर्णयात्मक नेतृत्व महिला द्वारा किया जा सकता है।

### 4. \*महिला-प्रधान परिवार की विशेषताएँ\*

#### 1. महिला का नेतृत्व

परिवार के प्रमुख निर्णयों और व्यवस्थाओं में महिला की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

#### 2. आर्थिक जिम्मेदारी

महिला परिवार की आय अर्जित करने और आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रमुख भूमिका निभाती है।

#### 3. निर्णय लेने की भूमिका

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और आर्थिक मामलों में महिला निर्णय ले सकती है।

#### 4. बहुस्तरीय जिम्मेदारी

महिला को घरेलू कार्यों के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारियाँ भी निभानी पड़ सकती हैं।

#### 5. आत्मनिर्भरता की आवश्यकता

परिवार के संचालन के लिए महिला की शिक्षा, रोजगार, कौशल और आर्थिक संसाधन महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

### 5. \*एकल माता-पिता एवं महिला-प्रधान परिवारों की प्रमुख समस्याएँ\*

#### (1) आर्थिक समस्या

एक ही व्यक्ति पर परिवार की आय की जिम्मेदारी होने से आय और खर्च में असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।

## (2) बच्चों की देखभाल

कामकाजी अभिभावक के लिए बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और दैनिक देखभाल की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

## (3) सामाजिक दबाव

कुछ समाजों में एकल माता या महिला-प्रधान परिवारों को सामाजिक पूर्वाग्रह या असमान व्यवहार का सामना करना पड़ सकता है।

## (4) कार्य और परिवार में संतुलन

रोजगार तथा घरेलू जिम्मेदारियों को एक साथ निभाना कठिन हो सकता है।

## (5) भावनात्मक तनाव

परिवार की अनेक जिम्मेदारियाँ अकेले संभालने के कारण अभिभावक पर भावनात्मक दबाव हो सकता है।

## (6) बच्चों का सामाजिकरण

बच्चों के सामाजिक, भावनात्मक और शैक्षणिक विकास के लिए पर्याप्त समय एवं सहयोग उपलब्ध कराना आवश्यक होता है।

## (7) सामाजिक सुरक्षा का अभाव

कुछ परिवारों को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा सेवाओं तक पहुँच बनाने में कठिनाई हो सकती है।

## 6. \*इन परिवारों के सकारात्मक पक्ष\*

इन परिवारों को केवल समस्याओं के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। इनमें कई सकारात्मक विशेषताएँ भी हो सकती हैं—

महिलाओं में आर्थिक आत्मनिर्भरता विकसित हो सकती है।

परिवार के निर्णयों में महिला की भूमिका मजबूत होती है।

बच्चों में जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हो सकती है।

परिवार के सदस्यों के बीच सहयोग और भावनात्मक संबंध मजबूत हो सकते हैं।

महिला के नेतृत्व से परिवार में समानता और सशक्तीकरण को बढ़ावा मिल सकता है।

#### 7. \*समाज कार्य की भूमिका\*

समाज कार्यकर्ता एकल माता-पिता और महिला-प्रधान परिवारों को निम्न प्रकार से सहायता प्रदान कर सकते हैं—

1. परिवार परामर्श एवं भावनात्मक सहयोग देना।
2. रोजगार एवं कौशल विकास के अवसरों की जानकारी देना।
3. बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं से जोड़ना।
4. उपलब्ध सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच बनाने में सहायता करना।
5. महिला के कानूनी एवं सामाजिक अधिकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
6. समुदाय में ऐसे परिवारों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।
7. आवश्यकता पड़ने पर स्वयं सहायता समूहों और सामुदायिक संगठनों से जोड़ना।

#### \*निष्कर्ष\*

एकल माता-पिता वाले परिवार और महिला-प्रधान परिवार आधुनिक समाज में परिवार की बदलती संरचना को प्रदर्शित करते हैं। इन परिवारों में महिलाओं और एकल अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यद्यपि आर्थिक दबाव, बच्चों की देखभाल, समय की कमी और सामाजिक चुनौतियाँ इनके सामने हो सकती हैं, फिर भी उचित सामाजिक सहयोग, आर्थिक अवसर, सामाजिक सुरक्षा और परिवार-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से इन परिवारों को सशक्त बनाया जा सकता है। समाज कार्य के दृष्टिकोण से इन परिवारों को सहानुभूति, समानता, अधिकार और सशक्तीकरण के आधार पर देखना आवश्यक है।